हर निर्णय हो... सत्यता की राह पर

अपने अन्दर की दिव्यता का आह्वान करने के लिए हम आत्मा की शक्तियों को देख रहे हैं। क्योंकि जब वो सारी शक्तियां बैलेन्स में होंगी तो वो दिव्यता हमारा जीवन जीने का तरीका बन जायेंगी। हमारे विचारों में प्योरिटी, हमारे शब्दों में प्योरिटी, हमारे व्यवहार में प्योरिटी। हर सोच, शब्द और कर्म दिव्य हो जायेगा। एक सतयुगी कर्म हो जायेगा। वो संस्कार जो हम चाहते हैं वो सहज हो जायेंगे। अगर हम इन शक्तियों का अन्दर आहवान कर लें। एक है परखने की शक्ति... क्या सही है, क्या नहीं है, क्या झूठ है, क्या सच है। कभी-कभी हमें अपने ही संस्कारों में नहीं पता चलता। हम एक भ्रम में रहते हैं, हमें लगता है कि हमारा सब परफेक्ट है। हमारा बिहेवियर परफेक्ट है। लेकिन हमें स्वयं को परखना होगा कि मेरे अन्दर सूक्ष्म में भी, सोच में भी परमात्मा तो कहते हैं कि स्वप्न में भी कोई ऐसा थॉट तो नहीं जो प्योर नहीं है, जो राइट नहीं है।

एक बार परख लिया, सही परखा तो नैक्स्ट पॉवर ऑटोमेटिकली आ जायेगी। और वो है निर्णय करने की शक्ति। क्योंकि हम पहले परखते हैं फिर उसको बिहेवियर में लाते हैं। तो हमारे पास ऑप्शन है ये करें या ये करें। ऐसा सोचें या ऐसा सोचें। सामने वाले ने मेरे साथ गलत किया, मुझसे ऊंची आवाज़ में बात की, मुझे धोखा दिया, अब हम कैसा करें! अब हमें अपना परखना है कि मेरा कर्म कैसा होना चाहिए। ये कर्म लेने का हमें निर्णय करना है। निर्णय लेने से पहले परखना ज़रूरी है। नहीं तो अगर निर्णय ले लिया और कर्म में आ गये और बाद में पता चला कि ये तो सही नहीं था। ऐसा न हो क्योंकि हमारा हर कर्म हमारा भाग्य बनाता है। आजकल कभी-कभी हमें निर्णय लेने से डर लगता है, तो

ब्र.कु. शिवानी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

हम औरों से पूछते हैं आपको क्या लगता है कि मुझे क्या करना चाहिए... लेकिन जो सही है वो ये कि हमें खुद के निर्णय खुद ही लेने चाहिए। और हमें कभी भी औरों के लिए निर्णय नहीं लेने चाहिए।

सामने वाले ने मेरे साथ गलत किया, मुझसे ऊंची आवाज़ में बात की, मुझे धोखा दिया, अब हम कैसा करें! अब हमें अपना परखना है कि मेरा कर्म कैसा होना चाहिए।

चाहे वो आपके फैमिली मेम्बर हैं या कोई और। आप उनको एडवाइज़ दे सकते हैं लेकिन डिसिजन उनके लिए नहीं ले सकते।

मान लो आपके अन्दर संस्कार है कि कोई आपके साथ कितना भी गलत करे आप चुप रह सकते हैं। वो आपका संस्कार है, वो आपकी कैपेसिटी है। अगर किसी और ने आपसे आकर पूछा कि उन्होंने मेरे साथ ऐसा किया है तो मुझे क्या करना चाहिए? और अगर आपने उसको एक सेकण्ड में कह दिया कि आपको बिल्कुल चुप रहना चाहिए। आपको कुछ नहीं बोलना चाहिए। तो आपने अपनी क्षमता का डिसिजन दे दिया। अगर उन्होंने आपकी बात को स्वीकार कर लिया और आपके कहे हुए डिसिजन को ले लिया और उनके पास वो कैपेसिटी नहीं होगी तो उनका चुप रहना प्रेशर फील करायेगा। जो उनके मन पर, उनके शरीर पर, उनकी सेहत पर भी असर डाल सकता है। वो डिसिजन उनका भाग्य बना रहा होता है। और हम उनका भाग्य बिगाड़ने के निमित्त बन जायेंगे। जिसका बोझ फिर हम पर होगा। इसमें हमें बहुत केयरफुल रहना है।

हमें स्वयं के लिए भी डिसिजन लेते समय ध्यान देना है कि हम अपना भाग्य निर्माण कर रहे हैं। ये सिर्फ एक निर्णय नहीं है, इस निर्णय का एक परिणाम आयेगा। और जो निर्णय ले लिया तो चलते-चलते कभी भी पछतावा नहीं होना चाहिए कि ये मुझे नहीं करना चाहिए था।

दूसरे अगर हमें उस डिसिजन के लिए कुछ कहें तो उसमें परेशान नहीं होना चाहिए। क्योंकि हमने परखकर अच्छे से फिर डिसिजन लिया था। कुछ निर्णय ऐसे होंगे जिसमें हम अकेले खड़े होंगे और पूरी दुनिया दूसरी तरफ। जो अपने सही डिसिजन पर ऐसे खड़े होते हैं तो उनकी आत्मा की शक्ति बहुत बढ़ती जाती है। हमें सबके साथ जुड़कर भी रहना है लेकिन अपने सत्य पर चलना है। जुड़ने का मतलब ये नहीं कि उनके प्रभाव में आ जाना है तो रहना सबके साथ है एक माला में पिरोये हुए लेकिन निर्णय मुझे खुद लेना है और सत्यता की राह पर लेना है। जीवन को सत्यता की राह पर चलाते जायें बस।

मुम्बई-विले पार्ले। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कोरोना महामारी के कारण विश्व भर में प्रभावित पीड़ित मानवता के लिए लोक कल्याण एवं प्रतिबद्ध कार्य करने में अपना अमूल्य योगदान देने हेतु राजयोगिनी ब्र.कु. योगिनी दीदी,डायरेक्टर, एडमिनिस्ट्रेशन,ब्रह्माकुमारीज़ ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर,मैनेजिंग बीएसईएस म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल को स्विटज़रलैंड का 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' प्रदान करते हुए सांसद एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी व डॉ. ब्र.कु. दीपक एस.हरके,नेशनल सेक्रेट्री,डब्ल्यू.बी.आर.-इंडिया।

हसनपुर-हरियाणा। टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले भारतीय निशानेबाज सिंहराज अधाना का स्वागत करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. इंदिरा बहन तथा अन्य।

विजयवाड़ा-आ.प्र.। रक्षाबंधन के अवसर पर सेवाकेन्द्र में आने पर वेल्लमपल्ली श्रीनिवास,एन्डोमेंट्स मिनिस्टर,आ.प्र. को रक्षासूत्र बांधते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शांता बहन। इस मौके पर ब्र.कु. जया, ब्र.कु. राधा तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

अयोध्या-उ.प्र.। सांसद लल्लू सिंह को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य व प्रसाद भेंट करते हुए ब्र.कु. शशि दीदी तथा ब्र.कु. शैलजा बहन।

बिलासपुर-टिकरापारा(छ.ग.)। रक्षाबंधन के अवसर पर सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में रेलवे क्षेत्र के डी.आई.जी. भवानी शंकर नाथ को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. मंजू बहन।

फिरोजाबाद-उ.प्र.। विधायक मुकेश वर्मा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अंजना बहन।

पारलाखमण्डी-ओडिशा। गजपति जिला के कलेक्टर लिंगराज पंडा को रक्षासूत्र बांधते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. माला दीदी।

दिल्ली-शक्ति नगर(डेरावल नगर)। श्रीमति सीमा गुप्ता,डिप्टी चेयरपर्सन,केशव पुरम,दिल्ली को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रानी दीदी।

दिल्ली-हरिनगर। एस.एन. घोरमाडे,वाइस एडमिरल,वाइस चीफ ऑफ नवल स्टाफ को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सारिका।

भद्रक-ओडिशा। पंडित श्रीमन संग्राम आचार्य,श्री चैतन्य आश्रम भद्रक को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. मंजू बहन।

जोधपुर-हाउसिंग बोर्ड(राज.)। सेवाकेन्द्र में आने पर वार्ड पार्षद विक्रम सिंह पवार को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शील बहन।

जयपुर-सोडाला(राज.)। फिल्म अभिनेत्री शशि शर्मा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. स्नेह दीदी।

पिंपरी-पुणे(महा.)। सेवाकेन्द्र में आने पर पुलिस कमिश्नर श्री कृष्ण प्रकाश जी को सम्मानित करने के पश्चात् रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुरेखा बहन।

आँवला-उ.प्र.। निहाल सिंह,चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर,पवित्रमेंथा फेयर ऑर्गेनिक प्रा.लि. को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नीता बहन। साथ हैं ब्र.कु. दीपा बहन।

सुंदर नगर-हि.प्र.। एस.डी.एम. धर्मेश रमोत्रा, उपमंडलाधिकारी नागरिक को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नवीना बहन तथा ब्र.कु. दया बहन।

लोहरदगा-झारखण्ड। एस.पी. प्रियंका मीणा को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओम शान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. मंजू बहन।

दिल्ली-मजलिस पार्क। आदर्श नगर पुलिस स्टेशन के प्रभारी राधे श्याम जी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शारदा दीदी। साथ हैं ब्र.कु. विमला बहन तथा ब्र.कु. शुभ्रा बहन।